p>Title: Need to take steps to make H.M.T. Unit at Ajmer viable.

**प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) :** अजमेर में भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की एकमात्र इकाई एच.एमटी. है, जहां पर करोड़ों रुपए की लागत की ग्राइंडिंग आदि की मशीनरी लगी हुई है, जहां पहले हजारों श्रमिक तथा प्रशिक्षित ट्रेडममेन कार्यरत थे। परंतु विगत कुछ वर्षों से देश में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों विशेषतः एच.एम.टी. के भी घाटे में चले जाने, रुग्णता के शिकार होने के कारण इसकी सभी इकाइयों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है तथा धीरे-धीरे उत्पादन कार्य कम होने तथा वी.आर.एस. की प्रक्रिया लागू करने के कारण कर्मचारियों की संख्या घटती चली जा रही है। कई लोगों का स्थानान्तरण अन्यत्र कर दिया गया है। फलस्वरूप अपेक्षित एवम् वांछित उत्पादन पर दुप्रभाव पड़ रहा है। धीरे-धीरे एच.एम.टी. अजमेर का अस्तित्व ही खतरे में पड़ता दीख रहा है। अजमेर इकाई में उपलब्ध सभी मशीनरी तथा संसाधनों को देश विदेश से कार्यादेश मिलने पर भी उपयोग नहीं हो पा रहा है। वी.आर.एस. की प्रक्रिया फिर प्रारंभ कर दी गई है जिसके कारण हजारों श्रमिक /तकनीकी कर्मचारी अपने भविय को लेकर चिंतित हैं। अजमेर की आर्थिक स्थिति पर भी इसका दुप्रभाव पड़ रहा है। मीलों क्षेत्र में फैला एच.एम.टी. क्षेत्र अब पिछड़ने लगा है।

अतः भारत सरकार, भारी उद्योग मंत्रालय से अनुरोध है कि एच.एम.टी. अजमेर को किसी भी स्थिति में चालू रखा जाए तथा वहां के संसाधनों के पूरे सदुपयोग हेतु रक्षा मंत्रालय आदि का कार्य प्रदान किया जाए जिससे घाटे से उबर कर यह इकाई लाभ में आ सके।